

69/08/18

राज्य

स्तर पर्यावरण समाघात निर्धारण अधिकार

छत्तीसगढ़

भारत सरकार

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

कलेक्टर का कार्यालय, रायपुर

व. क्र. 12/08/2016

6-5-16

आयुक्त, रायपुर

कहा भोज राया

पर्यावास भवन, अधीक्षक,

छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल,

नया रायपुर (छ.ग.)

ई-मेल: seiaacg@gmail.com

/एस.ई.आई.ए.ए., छ.ग./ ई.सी./ सॉलिड-वेस्ट/ 853 नया रायपुर दिनांक / /2016

आयुक्त,

नगर पालिक निगम रायपुर

जिला-रायपुर, (छ.ग.)

विषय :-

नगर निगम रायपुर को नगरीय ठोस अपशिष्ट प्रबंधन योजना के तहत लीज एरिया- 27.04 हेक्टेयर, ग्राम-सकरी, तहसील व जिला-रायपुर में नगरीय ठोस अपशिष्ट के संग्रहण, परिवहन, पृथक्करण, उपचार एवं अपवहन व्यवस्था क्षमता - 500 टन प्रतिदिन को पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने के संबंध में।

संदर्भ:-

आपका आवेदन दिनांक 15/06/2016 एवं अनुवर्ती पत्राचार दिनांक 26/07/2016

—: 00 :—

उपरोक्त विषयांतर्गत कृपया पत्र संदर्भित दिनांक 15/06/2016 एवं 26/07/2016 का अवलोकन हो।

- आवेदन प्राप्ति दिनांक- परियोजना प्रस्तावक द्वारा पूर्व में आवेदन दिनांक 19/09/2013 को प्रस्तुत किया गया था। नगरीय ठोस अपशिष्ट प्रबंधन योजना हेतु मेसर्स रायपुर वेस्ट मैनेजमेंट प्राईवेट लिमिटेड, रायपुर को एस.ई.ए.सी. छत्तीसगढ़ के पत्र क्रमांक 1614 दिनांक 14/03/2014 के द्वारा नगरीय ठोस अपशिष्ट प्रबंधन योजना क्षमता- 500 टन/दिन हेतु टर्म्स ऑफ रेफरेन्स (टीओआर) जारी किया गया। तत्पश्चात आयुक्त, नगर पालिक निगम रायपुर के पत्र दिनांक 08/01/2015 के द्वारा सूचित किया गया है कि यह प्रोजेक्ट नगर पालिक रायपुर का है एवं यह स्थिति में नगर निगम रायपुर द्वारा ही क्रियान्वित कराया जावेगा। तत्पश्चात परियोजना के पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु दिनांक 15/01/2016 दिन-शुक्रवार को समय दोपहर 12:00 बजे से परियोजना स्थल ग्राम-सकरी, जिला-रायपुर में लोक सुनवाई आयोजित की गयी। परियोजना प्रस्तावक द्वारा फाईनल ई.आई.ए. रिपोर्ट दिनांक 16/06/2016 को प्रस्तुत किया गया है। परियोजना प्रस्तावक को प्रस्तुतीकरण हेतु एस.ई.ए.सी. छत्तीसगढ़ के पत्र दिनांक 18/07/2016 के द्वारा सूचित किया गया। माननीय नेशनल ग्रीन ट्रिब्युनल, सेंट्रल. जोनल बेंच भोपाल द्वारा नगरीय ठोस अपशिष्ट अपवहन से संबंधित एक याचिका पर विचार के दौरान एस.ई.आई.ए.ए., छत्तीसगढ़ को इस प्रकरण पर प्राथमिकता से विचार कर निर्णय लेने एवं की गई कार्यवाही की जानकारी से प्रकरण की आगामी सुनवाई तिथि

04/08/2016 के पूर्व माननीय नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल को अवगत कराने का आदेश दिनांक 18/07/2016 को दिये हैं।

- **समिति द्वारा विचार** — एस.ई.ए.सी, छत्तीसगढ़ की 200वीं बैठक दिनांक 26/07/2016 में प्रकरण पर विचार किया गया। प्रस्तुतीकरण के लिए श्री जत बंसल, कमिश्नर रायपुर, श्री ए.के. मालवे, कार्यपालन अभियंता एवं श्री आर.के. गुप्ता, कार्यपालन अभियंता उपस्थित थे। समिति द्वारा नस्ती/ प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन किया गया। समिति द्वारा नोट किया गया कि:-

1. नगर निगम रायपुर द्वारा नगरीय ठोस अपशिष्ट प्रबंधन योजना के तहत खसरा नं. 771, 772, 773 एवं 775 लीज एरिया— 27.04 हेक्टेयर, ग्राम—सकरी, तहसील व जिला—रायपुर में नगरीय ठोस अपशिष्ट के संग्रहण, परिवहन, पृथक्करण, उपचार एवं अपवहन बाबत प्रस्ताव दिया गया है। उक्त भूमि रायपुर नगर निगम को जेयूनयूआरएम मिशन के तहत सौंपी गई है।
2. प्रस्तावित स्थल से 09 कि.मी. की दूरी पर दक्षिण — पश्चिम दिशा में तेलीबांधा रेल्वे स्टेशन स्थित है। दक्षिण दिशा में 10 कि.मी. दूर पर स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट स्थित है। उत्तर — पश्चिम दिशा में लगभग 700 मीटर दूरी पर ग्राम—सकरी स्थित है।
3. 10 कि.मी. की परिधि में अंतर्राज्जीय सीमा, राष्ट्रीय उद्यान, अभ्यारण्य, केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा घोषित क्रिटिकली पॉल्यूटेड एरिया, पारिस्थितिकीय संवेदनशील क्षेत्र या घोषित जैवविविधता क्षेत्र स्थित नहीं होना बताया गया है।
4. उक्त अपवहन स्थल पर रायपुर नगर निगम के कुल क्षेत्र 142 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में 08 जोन के 70 वार्डों से उत्पन्न नगरीय ठोस अपशिष्टों का अपवहन किया जावेगा। परियोजना की क्षमता 500 टन प्रतिदिन नगरीय ठोस अपशिष्ट अपवहन की होगी। रायपुर शहर की जनसंख्या वर्ष 2011 की जनगणना अनुसार लगभग 10.57 लाख है। स्थल पर जल खपत 40 कि.ली. प्रतिदिन अनुमानित है। परियोजना की लागत 127 करोड़ रुपये है।
5. रायपुर शहर से उत्पन्न नगरीय ठोस अपशिष्ट में फल, सब्जी, खाद्य पदार्थ, पत्ती आदि की मात्रा 50 — 55 प्रतिशत, पेपर उत्पाद, कपड़े, प्लास्टिक, ग्लास, मेटल, लकड़ी आदि 25 प्रतिशत एवं इनर्ट की मात्रा 03 — 20 प्रतिशत पाई गई है।
6. योजना के अंतर्गत आपरेशन प्लान के तहत डोर टु डोर कलेक्शन, बड़े अपशिष्ट उत्पादकों एवं स्लम एरिया से उत्पन्न अपशिष्ट ट्राइसायकल आटो हॉपर आदि के द्वारा काम्पेक्टर के माध्यम से ट्रांसफर स्टेशन तक पहुंचाया जावेगा। जहां से इसे ग्राम — सकरी स्थित प्रोसेसिंग फेसिलीटी पर ले जाया जावेगा। योजना में मटेरियल रिकवरी फेसिलीटी एवं प्रिंसोर्टिंग सेक्शन (को-प्रोसेसिंग हेतु) भी स्थापित किया जाना प्रस्तावित है।
7. प्रोसेसिंग फेसिलीटी के अंतर्गत सेग्रीगेशन एवं सॉर्टिंग के पश्चात् ऑर्गेनिक वेस्ट की एक्सलरेटेड एरोबिक कम्पोस्टिंग किये जाने का प्रस्ताव है। साथ ही रिफ्युज डिस्पाज्ड फ्युल बनाने का भी प्रस्ताव किया गया है। इसी प्रकार प्राप्त कंस्ट्रक्शन एवं डिमोलिशन वेस्ट जैसे स्टोन, ईट, रेत एवं सील्ट आदि का पेव्हर ब्लॉक के निर्माण में उपयोग किये जाने का प्रस्ताव है। शेष अपशिष्ट आवश्यकतानुसार सेनेटरी लेण्ड फील में अपवहन किया जावेगा।
8. भू-भरण हेतु 05 एकड़ का सेल प्रथम चरण में बनाया जावेगा। तत्पश्चात् इस चरणबद्ध तरीके से विकसित किया जावेगा। प्रस्तावित भू-भरण प्रणाली में लाइनर प्रणाली और लीचेट के एकत्रीकरण एवं अपवहन सुविधा का प्रस्ताव है।

9. प्रस्तुत ई.आई.ए. रिपोर्ट के अनुसार 08 स्थलों पर परिवेशीय वायु गुणवत्ता का अध्ययन किया गया, उसके अनुसार औसत पीएम₁₀ 47 से 74 माईक्रोग्राम /घनमीटर, पीएम_{2.5} 16 से 25 माईक्रोग्राम /घनमीटर, एस.ओ.₂ 4.8 से 6.7 माईक्रोग्राम /घनमीटर एवं एन.ओ._x 12.9 से 17.9 माईक्रोग्राम /घनमीटर के मध्य पाया गया है।
10. परिवेशीय ध्वनि स्तर दिन के दौरान 51.0 DB (A) से 58.1 DB (A) और रात के दौरान 38.0 DB (A) से 48.8 DB (A) पाया गया है।
11. 15 स्थलों पर एकत्रित जल नमूनों की गुणवत्ता कुछ नमूनों में पी.एच., कंडक्टिविटी एवं टोटल हार्डनेस को छोड़कर आईएस 10500 के अनुरूप पाई गई है।
12. मानसून के पूर्व ग्राउण्ड वाटर लेवल भू-सतह से 8-9 मीटर नीचे एवं मानसून के पश्चात् 6-7 मीटर नीचे पाया गया।
13. परियोजना स्थल के चारों ओर 45000 वर्गमीटर पर 20 मीटर चौड़ा बफर जोन छोड़ा जावेगा एवं इसमें वृक्षारोपण किया जावेगा। साथ ही परिसर को पर्याप्त ऊंचाई के बॉउण्ड्रीवाल से घेरा जावेगा। आवागमन हेतु गेट स्थापित किया जावेगा। यह गेट 24 घंटे बंद रखा जावेगा तथा कार्य होने पर ही सुरक्षा गार्ड द्वारा खोला जावेगा, जिससे अवांछित / अनाधिकृत व्यक्तियों / मवेशी आदि का प्रवेश नहीं हो सकेगा।
14. प्रोसेसिंग प्लांट लगभग 02 हेक्टेयर क्षेत्र में लगाया जावेगा।
15. प्रोसेसिंग प्लांट निरंतर कार्यरत रहे, यह सुनिश्चित किया जावेगा। ताकि पक्षियों का विचरण नियंत्रित रहे।
16. प्रस्तावित स्थल 30 वर्ष की अवधि के लिये नगरीय ठोस अपशिष्ट अपवहन हेतु पर्याप्त होगा।
17. नगरीय ठोस अपशिष्ट का परिवहन ढंके हुये ट्रकों से सुनिश्चित किया जावेगा।
18. नगर निगम रायपुर द्वारा हाई राईज भवनों में अपशिष्ट डकट के माध्यम से नीचे डस्ट बिन में संग्रहण करने की व्यवस्था स्थापित करने हेतु नक्शे के अनुमोदन में उक्त शर्त रखी जाना प्रस्तावित किया गया है।
19. प्रस्तावित स्थल के उत्तर - पूर्व दिशा में स्थित मंदिर की ओर 50 मीटर चौड़े क्षेत्र में वृक्षारोपण किया जावेगा।
20. अपवहन स्थल पर ठोस अपशिष्टों के प्रबंधन एवं अपशिष्टों के परिवहन आदि पर निरंतर निगरानी हेतु स्थानीय लोगों की समिति गठित की जाकर कार्यवाही की जावेगी। इसी प्रकार ठोस अपशिष्ट परिवहन की निगरानी हेतु केमरे की व्यवस्था की जावेगी।
21. सकरी एवं आसपास के गांवों में प्रत्येक 06 माह में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कर लोगों के स्वास्थ्य परीक्षण की कार्यवाही की जावेगी। साथ ही परियोजना में कार्य कर रहे कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण प्रतिमाह कराया जावेगा।
22. परियोजना स्थल एवं आसपास के गांवों में भू-जल की गुणवत्ता नियमित परीक्षण किया जावेगा।
23. लोक सुनवाई के दौरान उठाये गये बिन्दुओं पर उपरोक्त जानकारी के अलावा परियोजना प्रस्तावक द्वारा जानकारी दी गई कि उनके द्वारा अपशिष्ट के प्रसंस्करण एवं अपवहन के दौरान प्रदूषण की स्थिति निर्मित न हो इस बाबत समाधान कारक उपाय किये जावेंगे। परियोजना प्रस्तावक द्वारा लोक सुनवाई के दौरान उठाये गये बिन्दुओं पर प्रस्तावित कार्यवाही की जानकारी प्रस्तुत की गई। परियोजना प्रस्तावक द्वारा दी गई जानकारी अनुसार वर्तमान में स्थल पर कचरा नहीं डाला जा रहा है, न

ही कुत्तों आदि को छोड़ा जा रहा है। प्रोसेसिंग स्थल के चारों ओर बॉउण्ड्रीवाल का निर्माण प्रस्तावित होने के कारण स्थल पर मवेशी एवं अन्य व्यक्तियों का प्रवेश नहीं होगा। प्रोसेसिंग प्लांट लगने से कचरे से दुर्गंध भी नहीं आयेगी। चयनित स्थल मेला स्थल से दूर है। सकरी तथा आसपास के गांव में मच्छी - मच्छर से बचाव हेतु विशेष अभियान चलाया जावेगा एवं फॉगिंग की जावेगी।

समिति द्वारा विचार विमर्श उपरांत सर्वसम्मति से नगर निगम रायपुर को नगरीय ठोस अपशिष्ट प्रबंधन योजना के तहत खसरा नं. 771, 772, 773 एवं 775 लीज एरिया- 27.04 हेक्टेयर, ग्राम-सकरी, तहसील व जिला-रायपुर में नगरीय ठोस अपशिष्ट के संग्रहण, परिवहन, पृथक्करण, उपचार एवं अपवहन व्यवस्था क्षमता - 500 टन प्रतिदिन हेतु पर्यावरणीय स्वीकृति दिये जाने की अनुशंसा की गई।

उपरोक्त प्रकरण पर प्राधिकरण की 64वीं बैठक दिनांक 01/08/2016 में चर्चा की गई। प्राधिकरण द्वारा नस्ती का अवलोकन किया गया। विचार विमर्श उपरांत प्राधिकरण द्वारा सर्वसम्मति से समिति की अनुशंसा को स्वीकार करते हुये नगर निगम रायपुर को नगरीय ठोस अपशिष्ट प्रबंधन योजना के तहत लीज एरिया- 27.04 हेक्टेयर, ग्राम-सकरी, तहसील व जिला-रायपुर में नगरीय ठोस अपशिष्ट के संग्रहण, परिवहन, पृथक्करण, उपचार एवं अपवहन व्यवस्था क्षमता - 500 टन प्रतिदिन हेतु पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु जारी करने का निर्णय लिया गया।

तदनुसार नगर निगम रायपुर को नगरीय ठोस अपशिष्ट प्रबंधन योजना के तहत लीज एरिया- 27.04 हेक्टेयर, ग्राम-सकरी, तहसील व जिला-रायपुर में नगरीय ठोस अपशिष्ट के संग्रहण, परिवहन, पृथक्करण, उपचार एवं अपवहन व्यवस्था क्षमता - 500 टन प्रतिदिन हेतु पर्यावरणीय स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों के अधीन प्रदान की जाती है:-

- 1) The sanitary landfill site shall be planned, designed and developed with proper documentation of construction plan as well as a closure plan in a phased manner.
- 2) The landfill shall be set up as per the guidelines of the Ministry of Urban Development, Government of India and Central Pollution Control Board, Delhi.
- 3) The 'landfill cells' shall be developed in a phased manner to avoid water logging and misuse.
- 4) The landfill site shall be 100 meter away from river, 200 meter from a pond 200 meter from Highways, Habitations, Public parks and water supply wells (if any).
- 5) Project proponent shall obtain no objection certificate from the civil aviation authority/Air port as the case may be before commencement of any activity on the site.
- 6) The site for landfill, processing and disposal of solid wastes shall be incorporated in the Town Planning Department's land-use plan.
- 7) A buffer zone of no development shall be maintained around solid waste processing and disposal facility. This will be maintained within the total area of the solid waste processing and disposal facility. The buffer zone shall be prescribed on case to case basis by the local body in consultation with Chhattisgarh Environment Conservation Board.
- 8) The biomedical wastes shall be disposed of in accordance with the Bio-Medical Waste Management Rules, 2016 as amended from time to time. The hazardous waste shall be managed in accordance with the Hazardous and Other Waste (Management and Transboundary Movement) Rules, 2016. as amended from time to time. The E- Waste shall be managed in accordance with the E-Waste (Management) Rules, 2016 as amended from time to time.

- 9) Temporary storage facility for solid wastes shall be established in landfill site to accommodate the waste in case of non-operation of waste processing and during emergency or natural calamities.
- 10) Landfill site shall be fenced and provided with proper gate to monitor incoming vehicles, to prevent entry of unauthorised persons and stray animals.
- 11) The approach and / internal roads shall be concreted or paved so as to avoid generation of dust particles due to vehicular movement and shall be so designed to ensure free movement of vehicles and other machinery.
- 12) The landfill site shall have waste inspection facility to monitor waste brought in for landfilling, office facility for record keeping and shelter for keeping equipment and machinery including pollution monitoring equipments. The operator of the facility shall maintain record of waste received, processed and disposed.
- 13) Provisions like weigh bridge to measure quantity of waste brought at landfill site, fire protection equipment and other facilities as may be required shall be provided.
- 14) Utilities such as drinking water and sanitary facilities (preferably washing / bathing facilities for workers) and lighting arrangements for easy landfill operations during night hours shall be provided.
- 15) Safety provisions including health inspections of workers at landfill sites shall be provided.
- 16) Adequate facility for proper treatment of industrial (if any) and domestic effluent shall be provided to ensure the treated effluent quality within standard prescribed by Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Government of India. Any liquid effluent whatsoever generated from industrial (if any) and domestic activities shall not be discharged into the river or any surface water bodies under any circumstances, and it shall be reused wholly in the process/plantation. Project authority shall provide sewage treatment system of adequate capacity for treatment of domestic effluent generated. Provisions for parking, cleaning, washing of transport vehicles carrying solid waste shall be provided. The wastewater so generated shall be treated to meet the prescribed standards. Treated effluent shall be used for plantation within premises.
- 17) Waste for land filling shall be compacted in thin layers using heavy compactors to achieve high density of the waste. In heavy rainfall situation, when heavy compactors cannot be used, alternative measures shall be adopted.
- 18) Till the time waste processing facilities for composting or recycling are set up, the waste shall be sent to the sanitary landfill. The landfill cell shall be covered at the end of each working day with minimum 10 cm of soil, inert debris or construction material.
- 19) Prior to the commencement of monsoon season, an intermediate cover of 40-65 cm thickness of soil shall be placed on the landfill with proper compaction and grading to prevent infiltration during monsoon. Proper drainage shall be constructed to divert run-off away from the active cell of the landfill.
- 20) After completion of landfill, a final cover shall be designed to minimise infiltration and erosion. The final cover shall meet the following specifications, namely:--
 - a. The final cover shall have a barrier soil layer comprising of 60 cm of clay or amended soil with permeability coefficient less than 1×10^{-7} cm/sec.
 - b. On top of the barrier soil layer, there shall be a drainage layer of 15 cm.

- c. On top of the drainage layer, there shall be a vegetative layer of 45 cm to support natural plant growth and to minimise erosion.
- 21) The storm water drain shall be designed and constructed in such a way that the surface runoff water is diverted from the landfilling site and leachates from solid waste locations do not get mixed with the surface runoff water. Provisions for diversion of storm water discharge drains shall be made to minimise leachate generation and prevent pollution of surface water and also for avoiding flooding and creation of marshy conditions.
- 22) Non-permeable lining system at the base and walls of waste disposal area shall be provided. For landfill receiving residues of waste processing facilities or mixed waste or waste having contamination of hazardous materials (such as aerosols, bleaches, polishes, batteries, waste oils, paint products and pesticides) shall have liner of composite barrier of 1.5 mm thick high density polyethylene (HDPE) geo-membrane or geo-synthetic liners, or equivalent, overlying 90 cm of soil (clay or amended soil) having permeability coefficient not greater than 1×10^{-7} cm/sec. The highest level of water table shall be at least two meter below the base of clay or amended soil barrier layer provided at the bottom of landfills.
- 23) Provisions for management of leachates including its collection and treatment shall be made. The treated leachate shall be recycled or utilized within premises. In no case, leachate shall be released into open environment.
- 24) Arrangement shall be made to prevent leachate runoff from landfill area entering any drain, stream, river, lake or pond. In case of mixing of runoff water with leachate or solid waste, the entire mixed water shall be treated by the project proponent.
- 25) Baseline data of ground water quality in the area shall be collected and kept in record for future reference by project proponent. The ground water quality within 50 meter of the periphery of landfill site shall be periodically monitored covering different seasons in a year that is. summer, monsoon and post-monsoon period to ensure that the ground water is not contaminated. Ground water quality monitoring in near by villages shall be done on regular basis.
- 26) Usage of ground water in and around landfill site for any purpose (including drinking and irrigation) shall be considered only after ensuring its quality.
- 27) Landfill gas control system including gas collection system shall be installed at landfill site to minimize odour, prevent off-site migration of gases, to protect vegetation planted on the rehabilitated landfill surface etc. For enhancing landfill gas recovery, use of geomembranes in cover systems along with gas collection wells should be considered.
- 28) The concentration of methane gas generated at landfill site shall not exceed 25 per cent of the lower explosive limit (LEL).
- 29) The landfill gas from the collection facility at a landfill site shall be utilized for either direct thermal applications or power generation, as per viability. Otherwise, landfill gas shall be burnt (flared) and shall not be allowed to escape directly to the atmosphere or for illegal tapping. Passive venting shall be allowed in case if its utilisation or flaring is not possible.
- 30) Ambient air quality at the landfill site and at the vicinity shall be regularly monitored. Ambient air quality shall meet the standards prescribed in this regard.
- 31) A vegetative cover shall be provided over the completed site in accordance with the following specifications, namely:-
 - a. Locally adopted non-edible perennial plants that are resistant to drought and extreme temperatures shall be planted;

- b. The selection of plants should be of such variety that their roots do not penetrate more than 30 cms. This condition shall apply till the landfill is stabilized;
 - c. Selected plants shall have ability to thrive on low-nutrient soil with minimum nutrient addition;
 - d. Plantation to be made in sufficient density to minimise soil erosion.
 - e. Green belts shall be developed in buffer zone of minimum 20 meter wide area (area 45,000 sq meters) all around the boundary of the landfill site.
- 32) 50 meter thick green belt shall also be developed in the North – East corner of site towards temple
 - 33) The post-closure care of landfill site shall be conducted for at least fifteen years and long term monitoring or care plan shall consist of the following, namely :-
 - a) Maintaining the integrity and effectiveness of final cover, making repairs and preventing run-on and run-off from eroding or otherwise damaging the final cover;
 - b) Monitoring leachate collection system in accordance with the requirement;
 - c) Monitoring of ground water in and around landfill;
 - d) Maintaining and operating the landfill gas collection system to meet the standards.
 - 34) Use of closed landfill sites after fifteen years of post-closure monitoring can be considered for human settlement or otherwise only after ensuring that gaseous emission and leachate quality analysis complies with the specified standards and the soil stability is ensured.
 - 35) The incoming organic waste at site shall be stored properly prior to further processing. To the extent possible, the waste storage area should be covered. If, such storage is done in an open area, it shall be provided with impermeable base with facility for collection of leachate and surface water run-off into lined drains leading to a leachate treatment and disposal facility;
 - 36) Necessary precaution shall be taken to minimise nuisance of odour, flies, rodents, bird menace and fire hazard;
 - 37) In case of breakdown or maintenance of plant, waste intake shall be stopped and arrangements be worked out for diversion of waste to the temporary processing site or temporary landfill sites which will be again reprocessed when plant is in order;
 - 38) Pre-process and post-process rejects shall be removed from the processing facility on regular basis and shall not be allowed to pile at the site. Recyclables shall be routed through appropriate vendors. The non-recyclable high calorific fractions to be segregated and sent to for RDF production. Only rejects from all processes shall be sent for sanitary landfill site(s).
 - 39) The windrow area for composting shall be provided with impermeable base. Such a base shall be made of concrete or compacted clay of 50 cm thick having permeability coefficient less than 10^{-7} cm/sec. The base shall be provided with 1 to 2 per cent slope and circled by lined drains for collection of leachate or surface run-off.
 - 40) Leachate shall be re-circulated in compost plant for moisture maintenance.
 - 41) The end product compost shall meet the standards prescribed under Fertilizer Control Order notified from time to time.
 - 42) Project proponent shall ensure that In order to ensure safe application of compost, compost quality shall be met the specifications prescribed in Solid Waste Management Rules, 2016 notified vide so 1357 (E) Dated 08-04-2016.

- 43) Ambient air quality monitoring shall be regularly carried out. Odour nuisance at down-wind direction on the boundary of processing plant / landfill side shall also be checked regularly.
- 44) Project proponent shall provide adequate measuring arrangements for the measurement of water utilized in different categories and effluent generated. Good house keeping practices shall be adopted.
- 45) Provision shall be made for the housing of construction labour with all necessary infrastructure and facilities such as fuel for cooking (with proper safety arrangement), mobile toilets, mobile STP, safe drinking water, medical health care, crutch etc. The housing may be in the form of temporary structures to be removed after the completion of the project.
- 46) Project proponent shall take proper action to control the noise pollution. Project authority shall install appropriate noise barriers / control measures including acoustic hoods, silencers, enclosures etc. on all sources of noise generation to control the noise. Earplugs/ear muffs etc. shall be provided to the employee working in the high noise areas (if any). Leq of /noise levels emanating from machines shall be limited to 75 dBA. The noise level shall not exceed the limits 75 dB (A) during the daytime and 70 dB (A) during the night time within the premises. Project proponent shall take adequate measures for control of noise level below 85 dB (A) in the work environment. Workers engaged in noisy areas shall be periodically examined to maintain audiometric record and for treatment for any hearing loss including rotating them to non-noisy/ less noisy areas.
- 47) A separate environment management cell with full fledged laboratory facilities to carry out various management and monitoring functions shall be set up under the control of a Senior Executive.
- 48) Project proponent shall ensure compliance of all provisions of Solid Waste Management Rules, 2016 notified vide so 1357 (E) Dated 08-04-2016.
- 49) Transportation of waste by covered vehicles only shall be ensured. Provision for monitoring of vehicles by installation of close circuit cameras at suitable locations shall also be made.
- 50) The project proponent shall constitute a monitoring committee comprising of representatives of all stake holders i.e. Gram Panchayat, villagers, workers, transporters and management etc. This committee shall monitor the environmental protection measures adopted, transportation of solid wastes, complaints (if any) etc. The committee shall monitor the above matters at least once in a three month; during which, factual situation regarding above matters will be discussed. The proceedings of the committee shall be recorded in writing along with suggestions (if any). Project management shall take immediate action on the basis of observations / suggestions of the committee. A copy of the proceedings of the committee shall be submitted to Regional Officer, Chhattisgarh Environment Conservation Board, Raipur for information.
- 51) Health camp shall be organised in Sakari and near by villages in every six months for health checkup of village people. Health checkup of workers shall be done every month regularly.
- 52) Project proponent shall ensure continuous operation of processing plant to prevent birds / fly / mosquito etc. nuisance. Preventive measure shall be ensured within and nearby areas of processing / landfill site for prevention and control of birds / fly / mosquito etc. nuisance.
- 53) SEIAA, Chhattisgarh reserves the right to revoke the clearance if conditions stipulated are not implemented to the satisfaction. SEIAA, Chhattisgarh reserves the right to amend / cancel any of the conditions and add new conditions and make further stringent the emission / effluent limit as and when deemed necessary in the interest of environmental protection. change in the

- project profile or non-satisfactory implementation of the stipulated conditions etc.
- 54) The project proponent shall advertise in at least two local newspapers widely circulated in the region around the project, one of which shall be in the vernacular language of the locality concerned within seven days from the date of this clearance letter, informing that the project has been accorded environmental clearance and copies of clearance letter are available with the Chhattisgarh Environment Conservation Board and may also be seen at Website of SEIAA, Chhattisgarh at www.seiaacg.org.
 - 55) A copy of the clearance letter shall be sent by the proponent to concerned Panchayat, Zila Parishad / Municipal Corporation, Urban Local Body and the Local NGO, if any, from whom suggestions / representations, if any, received while processing the proposal. The clearance letter shall also be put on the website of the project proponent.
 - 56) Half yearly report on the status of implementation of the stipulated conditions and environment safeguards shall be submitted to the Chhattisgarh Environment Conservation Board, Raipur, Regional Office, Chhattisgarh Environment Conservation Board, Raipur, SEIAA, Chhattisgarh and Regional Office, Ministry of Environment, Forests and Climate Change, Government of India, Nagpur.
 - 57) Regional Office of the Ministry of Environment, Forests and Climate Change at Nagpur will monitor the implementation of the stipulated conditions. A complete set of documents including Environment Impact Assessment Report and Environment Management Plan along with the additional information submitted from time to time shall be forwarded to the Regional Office for their use during monitoring. Project proponent will up-load the compliance status in their website and up-date the same from time to time at least six monthly basis.
 - 58) Full cooperation shall be extended to the Scientists / Officers from the SEIAA, Chhattisgarh, Ministry of Environment, Forests and Climate Change, Government of India / Regional Office, Ministry of Environment, Forests and Climate Change, Government of India, Nagpur / CPCB / Chhattisgarh Environment Conservation Board, who would be monitoring the compliance of environment status.
 - 59) In case of any deviation or alteration in the proposed project from those submitted to this SEIAA, Chhattisgarh for clearance, a fresh reference should be made to the SEIAA, Chhattisgarh to assess the adequacy of the condition(s) imposed and to add additional environment protection measures required, if any. No further expansion or modifications in the plant should be carried out without prior approval of the Ministry of Environment, Forests and Climate Change, Government of India / SEIAA, Chhattisgarh.
 - 60) Concealing factual data or submission of false / fabricated data and failure to comply with any of the conditions mentioned above may result in withdrawal of this clearance and attract action under the provisions of the Environment (Protection) Act, 1986.
 - 61) The project authorities must strictly adhere to the stipulations made by the Chhattisgarh Environment Conservation Board (CECB) and the State Government.
 - 62) The above stipulations would be enforced among others under the Water (Prevention and Control of Pollution) Act, 1974, the Air (Prevention and Control of Pollution) Act, 1981, the Environment (Protection) Act, 1986 and rules made there under.
 - 63) The issuance of this environmental clearance does not convey any property rights in either real or personal property, or any exclusive privileges, nor does

814
श्री ११ मालवे
64)

not authorize any injury to private property or any invasion of personal rights, nor any infringement of Central, State or Local laws or regulations. Any appeal against this environmental clearance shall lie with the National Green Tribunal, if preferred, within a period of 30 days as prescribed under section 16 of the National Green Tribunal Act, 2010.

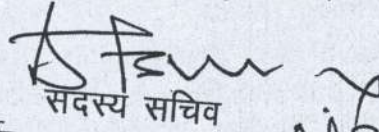
सदस्य सचिव

राज्य स्तर पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण,
छत्तीसगढ़

पृ. क्र. 755- /एस.ई.आई.ए.ए., छ.गं./ सॉलिड-वेस्ट/853 नया रायपुर दिनांक 2/8/2016

प्रतिलिपि :-

1. प्रमुख सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, पर्यावरण विभाग, मंत्रालय, महानदी भवन, नया रायपुर (छत्तीसगढ़) - 492001
2. डायरेक्टर, जीओलॉजी एवं माईनिंग, संचालनालय, इंद्रावती भवन, नया रायपुर (छत्तीसगढ़) - 492001
3. डायरेक्टर, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, पृथ्वी विंग, द्वितीय मंजिल, इंदिरा पर्यावरण भवन, जोर बाग रोड, नई दिल्ली - 100003
4. अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक, क्षेत्रीय कार्यालय (पश्चिम मध्य जान), पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भू-तल, पूर्व विंग, नया सचिवालय भवन, सिविल लाईन, नागपुर (महाराष्ट्र)
5. कलेक्टर, जिला - रायपुर (छ.ग.) की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
6. क्षेत्रीय अधिकारी, क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, रायपुर की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।



सदस्य सचिव

राज्य स्तर पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण,
छत्तीसगढ़